14

# निराला राजस्थान

त्याग, प्रेम, सौंदर्य,शौर्य की,
जिसका कण–कण एक कहानी।
आओ पूजें, शीश झुकाएँ,
मिल हम, माटी राजस्थानी।।
सुबह सूर्य सिंदूर लुटाए,
संध्या का भी रूप सँवारे।
इस धरती पर हम जनमे हैं,
पूर्व जन्म के पुण्य हमारे ।।
सघन वनों की धरा पूर्व की,
झरे कहीं झरनों से पानी।
बोले मोर, पपीहे, कोयल,
खड़ी खेत में फसलें धानी।।
गोड़ावण के जोड़ों के घर,
पश्चिम के रेतीले टीले।
ऊँट, भेड़, बकरी मस्ती से,
जहाँ पालते लोग छबीले।।
बंशी, इकतारे, अलगोजे,
कोई ढोलक–चंग बजाए।
कहीं तीज, गणगौर, रंगीली,
गोरी फाग–बधावे गाए।।

गूंजे कहीं भजन मीरा के
और कहीं, अजमल अवतारी।
दादू और रैदास सरीखे,
यह धरती ही तो महतारी।।
स्वामी भक्त हुए इसमें ही,
दुर्गादास तथा पन्ना से।
पानीदार हुए इसमें ही,
पीथल, भामाशाह, मन्ना से।।
दुर्ग–दुर्ग में शिल्प सलौना,
दुर्गा जैसी है हर नारी।
है हर पुरुष प्रताप यहाँ का,
आजादी का परम पुजारी।।
यहाँ भाखड़ा–चम्बल बाँटें,
खुशहाली का नया उजाला।
भारत की पावन धरती पर,
अपना राजस्थान निराला।।

**शिक्षक संकेत** प्रस्तुत कविता के आधार पर राजस्थान के साँस्कृतिक वैभव को उभारिए। यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का दिग्दर्शन कराइए। तीज और गणगौर के उत्सवों पर चर्चा कीजिए। दुर्गादास, भामाशाह, पन्ना, मन्ना, झाला एवं पीथल के योगदान को बताइए। चम्बल के नए तीर्थों की झाँकी तथा विकास की गति का दिग्दर्शन कराइए। प्रताप, पद्मिनी एवं कर्मावती की गाथा सुनाएँ।

## अभ्यास–कार्य

### शब्द–अर्थ

**गोड़ावण के जोड़े** – रेगिस्तान में पाया जाने वाला एक खूबसूरत पक्षी का वह जोड़ा, जिसमें नर–मादा साथ रहते हैं।

**सँवारे** – सजाएँ

**सघन** – बहुत अधिक गहरे

**अलगोजे** – एक प्रकार की बाँसुरी

**महतारी** – माता

**सम्बल** – सहारा, शक्ति

**पानीदार** – इज्जत पाने वाले

### उच्चारण के लिए

सौंदर्य, शौर्य, त्याग, शीश, सिंदूर, पुण्य, सघन, मस्ती, महतारी, सम्बल, चम्बल, समृद्धि, उल्लास, वरमाला।

### सोचें और बताएँ

1. किस धरती पर हमने जन्म लिया है ?
2. पूर्व दिशा की धरा कैसी है ?
3. खेत में कैसी फसलें खड़ी है ?

### लिखें

1. पंक्तियाँ पूरी करें

(क) गोडावण के जोड़ों के घर

.....

(ख) कहीं तीज गणगौर रंगीली

.....

(ग) ऊँट ,भेड़, बकरी मस्ती से

.....

(घ) बंशी, इकतारे, अलगोजे,

.....

2. उन पंक्तियों को चुनो जिनमें गौरिया, फाग और बधावे गाती हैं।
3. उन पंक्तियों को चुनों जिनमें पुरुषों को मस्ती का आभास होता हैं।
4. पश्चिमी राजस्थान को भाखड़ा से क्या लाभ हैं, कैसे?
5. दुर्गादास और पन्ना को किन कारणों से स्वामी–भक्त कहते हैं, लिखें।
6. राजस्थान की धरती पर जन्म लेने वाले पानीदार वीर योद्धा कौन–कौन है? नाम लिखें।

## भाषा की बात

- त्याग शब्द में त् अद्‌र्ध वर्ण है। इसी प्रकार से पाठ में आए अद्‌र्ध वर्ण के शब्दों को छाँटकर लिखें।

## यह भी करो

- कविता को मौखिक रूप से याद करके अपनी कक्षा में सुनाएँ।
- राजस्थान की विशेषता बताने वाली या इस कविता से मिलती–जुलती कविताओं का संग्रह कर अपने विद्‌यालय में आयोजित विभिन्न उत्सवों पर सुनाएँ।

अतिथि सत्कार मनुष्य का परम कर्त्तव्य है, इससे मनुष्य को देवत्व प्राप्त होता है।

–अज्ञात